मूल्य ₹ 3/-

सांध्य दैनिक

4PM

बसंत पंचमी

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 11 ● अंक: 346 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शुक्रवार 23 जनवरी, 2026

भाजपा ऐसा हिंदुस्तान चाहती है जहां एक राजा सार... 7

आप ने छोड़ी गुजरातियों पर छाप... 3

अधर्म कर रही भाजपा सरकार... 2

अहमदाबाद से लेकर नोएडा तक बढ़ी टेंशन ?

ई-मेल से दहशत, स्कूल निशाने पर

» तलाशी अभियान जारी

» सिख फार जस्टिस संगठन चलाने वाले उग्रवादी पन्नू पर दिल्ली में एफआईआर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आज एक बार फिर देश के अलग अलग हिस्सों में उस डर ने सिर उठाया है जिसकी कोई शक्ल नहीं होती लेकिन असर गहरा होता है। अहमदाबाद से लेकर नोएडा तक प्रतिष्ठित स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकियों ने न सिर्फ अभिभावकों की धड़कनें तेज कर दीं है बल्कि सुरक्षा व्यवस्था पर भी बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं।

अहमदाबाद में सेंट जेवियर्स स्कूल और संत कबीर स्कूल को बम से उड़ाने की धमकी मिलने की सूचना सामने आई है। वहीं उत्तर प्रदेश के नोएडा में आधा दर्जन से ज्यादा स्कूलों को एक साथ धमकी भरे ई-मेल भेजे गए। इनमें शिव नादर स्कूल, फादर एग्नेल स्कूल, आर्मी पब्लिक स्कूल, श्रीराम मिलेनियम स्कूल और रामाज्ञा स्कूल जैसे नाम शामिल हैं। धमकी भरे ई-मेल मिलते ही अहमदाबाद और नोएडा पुलिस हरकत में आई है। बम निरोधक दस्तों को मौके पर बुलाया जा चुका है और स्कूल परिसरों की गहन तलाशी ली जा रही है। एहतियातन कई जगहों पर छात्रों को सुरक्षित स्थानों पर ले जाया गया। जिन स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी दी गयी है उन स्कूलों में प्रशासन ने छुट्टी घोषित कर दी है। हजारों बच्चों की पढ़ाई ठप हो चुकी है अभिभावकों में डर का महौल है और हवा में हर बार की तरह एक ऐसा सवाल तैर रहा है कि क्या यह सिर्फ शरारत है या किसी बड़ी साजिश की रिहर्सल?

फेक कॉल कहकर टालना खतरनाक

आज देश एक ऐसे मोड़ पर खड़ा है जहां हर धमकी को सिर्फ फेक मेल कहकर टालना भी खतरनाक है और हर बार दहशत में जीना भी। जरूरत है ठोस जांच तकनीकी ट्रैकिंग और सार्वजनिक जवाबदेही की ताकि अगली बार ई-मेल खुले उससे पहले डर बंद हो। सवाल सिर्फ स्कूलों का नहीं है सवाल उस देश का है जहां बच्चों की किताबों से ज्यादा भारी डर होने लगा है।

लगातर मिल रही है स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी

देश भर के प्रतिष्ठत स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी से हड़कंप

26

जनवरी से पहले देश में अशांति फैलाना की फिराक में उग्रवादी संगठन

पहली बार नहीं मिली है धमकी

गौर करने वाली बात यह है कि इस तरह की धमकी पहली बार नहीं दी गयी है। नोएडा के स्कूल पहले भी इसी तरह के धमकी भरे ई-मेल का सामना कर चुके हैं। हर बार जांच होती है हर बार राहत की सांस ली जाती है और फिर कुछ समय बाद वही कहानी नए स्कूल नए शहर और नए डर के साथ लौट आती है। यह सिलसिला अब संयोग नहीं लगता बल्कि एक पैटर्न की तरह उभरता दिख रहा है।

पन्नू एक्टिव खालिस्तन समर्थक पोस्टर लगाने के दावे

पन्नू ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो जारी कर दावा किया था कि उसने अपने स्लीपर सेल के जरिए दिल्ली के रोहिणी और डबरी इलाकों में खालिस्तान समर्थक पोस्टर लगाए हैं। हालांकि, स्पेशल सेल को अभी तक ऐसे कोई पोस्टर नहीं मिले हैं। गुरपतवंत सिंह पन्नू ने एक वीडियो जारी कर गणतंत्र दिवस के पहले भारत में बड़े पैमाने पर गड़बड़ी फैलाने की भी धमकी दी है। उसने दावा किया है कि राजधानी दिल्ली के रोहिणी और डबड़ी में प्रो-खालिस्तानी लोगों ने पोस्टर चिपकाए हैं।

यूएपीए के तहत घोषित किया है आतंकी

1 जुलाई 2020 से भारत सरकार ने गुरपतवंत सिंह पन्नू को यूएपीए कानून के तहत आतंकवादी घोषित कर रखा है। जुलाई 2020 में ही पंजाब पुलिस ने अमृतसर और कपूरथला में उसके खिलाफ राजद्रोह का केस दर्ज किया था। पन्नू ने इससे पहले अपने यू-ट्यूब चैनल पर ऐलान किया था कि गुरुग्राम से लेकर हरियाणा के अंबाला तक सभी एसपी और डीसी कार्यालयों में खालिस्तानी झंडा फहराया जाएगा। इसके बाद गुरुग्राम में उसके खिलाफ राजद्रोह का केस दर्ज हुआ था। गुरपतवंत सिंह पन्नू अमृतसर के खानकोट गांव में पैदा हुआ था। बाद में वह विदेश चला गया और आईएसआई के सहयोग से पंजाब में खालिस्तानी अलगाववादी मुहिम को फिर से जिंदा करने की कोशिश में है। इस घटना के बाद अब दिल्ली पुलिस ने पन्नू के खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है और आगे की जांच की कार्रवाई की जा रही है।

नोएडा में आधा दर्जन व अहमदाबाद में 2 स्कूल बंद

बच्चों की पढ़ाई को दहशत का मैदान बनाना चाहते हैं आतंकवादी

इसी बीच खालिस्तान समर्थक आतंकी और सिख फार जस्टिस नामक संगठन चलाने वाले गुरुपतवंत सिंह पन्नू के खिलाफ दिल्ली में एफआईआर दर्ज की गई है। पन्नू पर 26 जनवरी से पहले राष्ट्रीय राजधानी में अशांति फैलाने की कोशिश के आरोप लगाए गए हैं। हालांकि मौजूदा स्कूल धमकी मामलों में किसी भी संगठन या व्यक्ति की प्रत्यक्ष भूमिका की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है लेकिन सुरक्षा एजेंसियों की सतर्कता यह संकेत जरूर देती है कि इन धमकियों को हल्के में नहीं लिया जा सकता। सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि निशाने पर बार बार स्कूल आ रहे हैं। यानी वह जगहें जहां बच्चे पढ़ते हैं सपने देखते हैं और जहां समाज खुद को सबसे सुरक्षित मानना चाहता है। सवाल यह नहीं है कि बम मिला या नहीं सवाल यह है कि क्या हम उस मनोविज्ञान को समझ पा रहे हैं जो बच्चों की पढ़ाई को दहशत का मैदान बनाना चाहता है?

> “सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि निशाने पर बार बार स्कूल आ रहे हैं। यानी वह जगहें जहां बच्चे पढ़ते हैं सपने देखते हैं और जहां समाज खुद को सबसे सुरक्षित मानना चाहता है।”

अधर्म कर रही भाजपा सरकार : अखिलेश यादव

» सपा प्रमुख बोले- सांप्रदायिक एजेंडा चला रही है बीजेपी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा पर करारा प्रहार किया है। यूपी के पूर्व सीएम ने कहा बीजेपी शंकराचार्य का अपमान कर रही है। माघ मेले में स्नान करने को लेकर प्रशासन से हुए विवाद पर उन्होंने कहा कि शंकराचार्य का पूरा सम्मान होना चाहिए। भाजपा अधर्म कर रही है।

अखिलेश यादव ने कहा कि आज जब भाजपा अपनी नीतियों से पूंजीवाद को बढ़ावा दे रही है और सांप्रदायिक एजेंडा चला रही है तो ऐसे समय में हम जनेश्वर मिश्र जी के समाजवादी आंदोलन को याद कर रहे हैं।

भाजपा बड़े उद्योगपतियों और बड़े व्यापारियों का समर्थन करती है जिससे कि गरीब और अमीर के बीच की खाई बढ़ती जा रही है। इस समय समाजवादी आंदोलन का महत्व और बढ़ जाता है। उन्होंने कहा कि आज किसानों को उनकी उपज का दाम नहीं मिल पा रहा है। सभी

योजनाएं, कानून और कार्यक्रम पूंजीपतियों को बढ़ावा देने के लिए बनाए जा रहे हैं। ऐसे में हम जनेश्वर मिश्र, मुलायम सिंह यादव और अन्य हमारे समाजवादी नेताओं के आंदोलन को आगे बढ़ा रहे हैं।

पूंजीवादी सिद्धांतों को बढ़ावा दे रही बीजेपी

अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा देश में साम्प्रदायिक और पूंजीवादी सिद्धांतों को बढ़ावा दे रही है। उनके पक्ष में कार्यक्रम और कानून बना रही है। देश में अमीर और गरीब की खाई बढ़ती जा रही है। ऐसे समय में समाजवादियों और जनेश्वर मिश्र का आंदोलन याद आता है। उन्होंने समाजवादी विचारधारा को आगे बढ़ाया। उन्होंने कहा कि समाजवादी लोग बाबा साहब डॉ.अम्बेडकर के विचारों, डॉ. लोहिया के सिद्धान्तों, नेताजी मुलायम सिंह यादव के संघर्ष और जनेश्वर मिश्र के आंदोलन को आगे बढ़ाने का संकल्प लेते हैं।

बृजेश पाठक पर भड़के सपा प्रमुख

बृजेश पाठक के मुसलमान और सपा संबंधी बयान पर जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि उन्होंने अगर बाटी चोखा खाया है तो उन्हें प्रतिमा की तरह खड़ा होना पड़ेगा। उन्हें तो चरणों में लेटकर माफी मांगनी चाहिए क्योंकि जिस सरकार के वो डिप्टी सीएम हैं उन्हें कई बार डपट पड़ जाती है।

जम्मू-कश्मीर विस स्पीकर ने सपा मुखिया को किया आमंत्रित

राजधानी लखनऊ में सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव से जम्मू-कश्मीर विधानसभा के स्पीकर अब्दुल गनी राथर और मंत्री अब्दुल रशीद शाहीन ने मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार जम्मू कश्मीर के साथ सौतेला व्यवहार कर रही है। 150 साल पुरानी रियासत को बर्बाद कर दिया है। उन्होंने कहा कि कश्मीरियों की आवाज दबाई जा रही है। सभी अधिकार नौकरशाही के हाथों में है जनप्रतिनिधियों की बात नहीं सुनी जाती है। उन्होंने कहा कि देश में बदलाव का रास्ता यूपी से ही निकलेगा। दोनों नेताओं ने अखिलेश को जम्मू कश्मीर आने के लिए आमंत्रित किया।

भाजपा ने जम्मू कश्मीर के नौजवानों, किसानों और व्यापारियों को धोखा दिया

अखिलेश ने कहा कि भाजपा ने जम्मू कश्मीर के नौजवानों, किसानों और व्यापारियों को वादा करके धोखा दिया। कश्मीर में भाजपा का कोई भविष्य नहीं है। इसीलिए भाजपा कश्मीरियों की विरोधी है। कश्मीर में खनन के लिए भाजपा जिम्मेदार है।

अखिलेश से मिलकर खुश हुए बच्चे

श्रद्धांजलि सभा के बाद जब अखिलेश यादव वापस लौटने लगे तब उन्होंने पार्क के एक हिस्से में बड़ी संख्या में बच्चों की भीड़ देखकर गाड़ी रोक दी और पैदल ही उनके बीच पहुंच गये। बच्चे स्प्रिंग डल कालेज कानपुर रोड ब्रांच के थे। उन्होंने बच्चों को बिस्कुट दिए। अखिलेश ने कहा पार्क में जब पिकनिक मनाते हंसते-गाते बच्चों से मिला, तो लगा हमने खुशियों के फूल खिलाने के लिए 'जनेश्वर मिश्र पार्क' के रूप में जो कोशिश की थी, वो सफल रही।

मुख्यमंत्री भजनलाल जनता को भ्रमित कर रहे हैं : अशोक गहलोत

बोले पूर्व सीएम- मेरे खिलाफ बयानबाजी करने से युवाओं को न्याय नहीं मिलेगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। राजस्थान में भर्ती परीक्षाओं में ओएमआर शीट बदले जाने व प्रश्न पत्र लीक होने के मुद्दे को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि उनके खिलाफ बयानबाजी करने से युवाओं को न्याय नहीं मिलेगा। उन्होंने कहा कि वह मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की तरह जनता को भ्रमित करने वाले आरोप नहीं लगा रहे हैं।

उल्लेखनीय है कि इस मुद्दे को लेकर मुख्यमंत्री शर्मा और पूर्व मुख्यमंत्री गहलोत के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर चल रहा है। गहलोत ने इस मामले का उल्लेख करते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की मौजूदा सरकार गंभीर मुद्दों को केवल राजनीति का माध्यम बना रही है। उन्होंने मांग की है कि राज्य सरकार 2024 व 2025 की सभी परीक्षाओं की भी गंभीरता एवं गहराई से जांच करवाए। मुख्यमंत्री शर्मा ने दोपहर में सिरोही में एक कार्यक्र म के दौरान दावा किया, वर्ष 2019 में आयोजित हुए पेपरों की ओएमआर शीट में बदलाव हुए। यह बात

पूर्व मुख्यमंत्री (गहलोत) के घर तक भी जा रही है। शर्मा ने सवाल किया कि इस मामले में पूर्व मुख्यमंत्री के निजी सुरक्षा अधिकारी (पीएसओ) की भूमिका क्या थी? इसके बाद गहलोत ने रात में एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा जी, मैंने तो अभी आपके ऊपर कोई आरोप नहीं लगाए हैं। मैं तो मुझे मिले फीडबैक के आधार पर युवाओं के हित में आपसे आग्रह कर रहा हूं। पूर्व

प्रदेश का युवा जवाब मांगा रहा

कांग्रेस नेता ने मुख्यमंत्री से सवाल किया, आप तो केवल ये बताइए, क्या 2024 और 2025 में ओएमआर शीट बदली गई हैं या नहीं। प्रदेश का युवा जवाब चाहता है क्योंकि लगातार ऊंची कट-ऑफ जाने से इसका संबंध जुड़ रहा है। गहलोत ने मुख्यमंत्री से कहा कि अगर ऐसा हुआ है तो कांग्रेस सरकार के दौरान बने कानून से दोषियों को आजीवन कारावास की सजा, 10 करोड़ रुपये का जुर्माना और उनकी संपत्ति जब्त कर तथा इन भर्ती परीक्षाओं के नतीजों में पारदर्शिता लाकर न्याय सुनिश्चित करें।

मुख्यमंत्री ने प्रदेश सरकार पर निशाना साधते हुए कहा, मेरे खिलाफ बयानबाजी करने से युवाओं को न्याय नहीं मिलेगा। हम आपकी तरह जनता को भ्रमित करने वाले आरोप नहीं लगा रहे। आपको ठंडे दिमाग से सोचना चाहिए। उल्लेखनीय है कि राजस्थान पुलिस के विशेष अभियान समूह (एसओजी) ने इस प्रकरण में मंगलवार को राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड के तकनीकी प्रमुख सहित चार अन्य लोगों को गिरफ्तार किया।

तेजस्वी यादव की सुरक्षा में हुई कटौती, राजद ने उठाया सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार की नीतीश सरकार ने राज्य के कई दिग्गज विधायकों की सुरक्षा श्रेणी में बड़ा बदलाव किया है। राज्य स्तरीय सुरक्षा समीक्षा समिति की ताजा रिपोर्ट और खुफिया इनपुट्स के आधार पर लिए गए इस फैसले में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव को बड़ा झटका लगा है। सरकार ने तेजस्वी की सुरक्षा घटा दी है, वहीं भाजपा और केंद्र सरकार के कई मंत्रियों का सुरक्षा घेरा पहले से अधिक मजबूत कर दिया गया है।

कई नेताओं का सुरक्षा घेरा बढ़ा

उधर तेजस्वी की सुरक्षा घटाने पर राजदने नाराजगी जताई है। सुरक्षा समिति की सिफारिश के बाद बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव की सुरक्षा कम कर दी गई है। अब तक उन्हें जेड श्रेणी की सुरक्षा दी जा रही थी, जिसे घटाकर अब वाई प्लस कर दिया गया है। इसके साथ ही तीन अन्य वरिष्ठ नेताओं मदन मोहन झा, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष उदय नारायण चौधरी और राजेश राम की सुरक्षा पूरी तरह से वापस ले ली गई है।

एक ओर जहाँ विपक्ष की सुरक्षा में कटौती हुई है, वहीं सत्ता पक्ष के कई रसूखदार चेहरों की सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

भाजपा के राष्ट्रीय स्तर के नेताओं और बिहार सरकार के मंत्रियों को अब और भी कड़े सुरक्षा घेरे में रखा जाएगा। भाजपा के वरिष्ठ नेता नितिन नवीन, केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह, केंद्रीय मंत्री ललन सिंह, स्वास्थ्य मंत्री मंगल पाण्डेय और भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी को अब जेड श्रेणी की सुरक्षा दी गई है।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

'जांच हो गई तो जेल के सींखचों में होंगे डोटासरा'

» पीसीसी अध्यक्ष के बयान पर भड़के कृषि मंत्री किरोड़ीलाल मीणा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

दौसा। कृषि मंत्री किरोड़ीलाल मीणा ने फर्जी ओएमआर शीट घोटाले और पेपर लीक को लेकर बड़ा बयान दिया है। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष की ओर से सरकार बदलने पर भाजपा मंत्रियों को जेल भेजने की बात पर पलटवार करते हुए उन्होंने कहा कि उनकी सरकार का कोई भी मंत्री किसी तरह की गड़बड़ी में शामिल नहीं है।

कांग्रेस नेता गोविंद डोटासरा के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कृषि मंत्री ने कहा कि डोटासरा के परिवार और रिश्तेदारी के छह लोग आरएएस बन गए। ऐसे में उनके लिए इस तरह

के बयान देना आसान है। उन्होंने कहा कि यदि जांच सही दिशा में आगे बढ़ी तो सच्चाई सामने आने में ज्यादा समय नहीं लगेगा और बड़े चेहरे जेल की सलाखों के पीछे होंगे। किरोड़ीलाल मीणा ने कहा कि पिछली सरकार के कार्यकाल में उन्होंने फर्जी ओएमआर शीट्स मीडिया के सामने रखी थीं। उन्होंने आरोप लगाया कि कई मामलों में जिन अभ्यर्थियों ने उत्तर तक नहीं दिए, उन्हें फर्जी नंबर देकर आरएएस में चयनित कर दिया गया, जबकि सही उत्तर देने वालों को अंक नहीं दिए गए। उन्होंने कहा कि ओएमआर शीट में गड़बड़ी को लेकर उन्होंने पूर्ववर्ती सरकार के दौरान कई बार खुलासे किए लेकिन उस समय कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। मौजूदा सरकार में ही आरएएस परीक्षा से जुड़ी करीब एक दर्जन ओएमआर शीट्स एसओजी को जांच के लिए सौंपी गई हैं। कृषि मंत्री ने दावा किया कि इस पूरे मामले में जांच आगे बढ़ने पर कांग्रेस के बड़े और पुराने नेता, आरपीएससी के चेयरमैन और उसके कुछ सदस्य, गोपनीय शाखा के अधिकारी-कर्मचारी और माफिया से जुड़े कई नाम सामने आएंगे। उन्होंने कहा कि बेरोजगार युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ सरकार सख्त कार्रवाई कर रही है।

आप ने छोड़ी गुजरातियों पर छाप 27 में होगा भाजपा का पत्ता साफ

बदलेगी गुजरात की सत्ता, केजरीवाल का तगड़ा हमला

» आप करेगी परिवर्तन मोदी-शाह की बढ़ी टेंशन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गांधी नगर। भाजपा को गुजरात में कड़ी चुनौती देने की पूरी कहानी लिखी जा चुकी है। ये चुनौती आप से मिलने वाली है। जिस तरह से आम आदमी पार्टी धीरे-धीरे अपनी पैठ मोदी व शाह के गढ़ में बना रही है उससे ऐसा लगता है 2027 बीजेपी के लिए मुश्किल पैदा कर सकती है। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने गुजरात के अहमदाबाद में एक बड़ी जनसभा को संबोधित किया।

इस सभा में उन्होंने भारतीय जनता पार्टी की 30 साल की सत्ता पर जमकर हमला बोला। केजरीवाल ने कहा कि गुजरात की जनता अब बदलाव के लिए पूरी तरह तैयार है और बीजेपी का अंत निकट है, और उन्होंने हिंदी की एक पुरानी कहावत विनाशकाले विपरीत बुद्धि का जिक्र करते हुए कहा कि जब किसी का विनाश का समय आता है तो भगवान सबसे पहले उसकी बुद्धि खराब कर देता है। केजरीवाल ने दावा किया कि बीजेपी का भी गुजरात में यही हाल हो रहा है.. इस सभा में हजारों लोग जुटे। जो आप के बढ़ते प्रभाव को दिखाता है।

केजरीवाल बोले- भाजपा ने खोया आपा

केजरीवाल ने दो दिन पहले हुई घटना का जिक्र किया, जहां आप नेता गोपाल इटालिया पर किसी ने जूता फेंका और उन्होंने कहा कि दो दिन पहले इन लोगों ने आप नेता गोपाल इटालिया पर किसी से जूता फिकवाया.. इनकी किस्मत खराब है, जिसने जूता फेंका था, उसने वीडियो बनाकर जारी कर दिया और बताया कि उसे बीजेपी के एक नेता ने 50 हजार रुपये दिए थे और शराब पिलाई थी। इसलिए मैंने जूता फेंका। इनकी पोल खुल गई, लेकिन वास्तविक घटना दिसंबर 2025 की है। जहां जामनगर में कांग्रेस कार्यकर्ता छत्रपालसिंह जडेजा ने गोपाल इटालिया पर जूता फेंका। जडेजा ने दावा किया कि यह 2017 की घटना का बदला था। जब इटालिया ने तत्कालीन गृह मंत्री प्रदीप सिंह जडेजा पर जूता फेंका था। आप ने आरोप लगाया कि यह बीजेपी और कांग्रेस की मिलीभगत है। केजरीवाल ने कहा कि आप की बढ़ती लोकप्रियता से दोनों पार्टियां डरी हुई हैं, कांग्रेस ने घटना से दूरी बनाई और कहा कि यह व्यक्तिगत कृत्य है। केजरीवाल ने कहा कि बीजेपी आप नेताओं पर जूते फिकवाती है। सभाएं रद्द कराती है, पिछले तीन महीनों से पार्टी के कार्यकर्ताओं और नेताओं को जेल में डाला हुआ है और उन्होंने पूछा कि उनका क्या कसूर वे तीन महीने से क्यों जेल में हैं।

किसानों, युवाओं और व्यापारियों पर फोकस

आप गुजरात में किसानों, युवाओं और व्यापारियों पर फोकस कर रही है.. केजरीवाल ने कहा कि आप ग्रासरूट स्तर पर काम कर रही है और इसका असर जल्द दिखेगा। पार्टी ने हाल में कुछ बाइपोल जीते हैं। आप का दावा है कि लोग कांग्रेस से निराश हैं। क्योंकि 2017 में कांग्रेस ने वोट लिए लेकिन बीजेपी को बेच दिया। केजरीवाल का यह भाषण गुजरात की राजनीति में नई हलचल पैदा कर सकता है, वे कहते हैं कि गुजरात सरदार पटेल और महात्मा गांधी की भूमि है जहां गुंडागर्दी खत्म करने का संकल्प लेना चाहिए। चुनाव अभी दो साल दूर हैं, लेकिन दमन बढ़ेगा आप का कहना है कि वे डरेंगे नहीं जनता अब विकल्प तलाश रही है अब यह देखना होगा कि 2027 में क्या होता है।

बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं को सहेज रही आप

आप के बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं, जिला इंचार्ज और अन्य सदस्यों की मीटिंग थी, लेकिन इसमें बड़ी संख्या में आम लोग भी शामिल हुए। केजरीवाल ने कहा कि यह जनसभा नहीं है बल्कि आप के कार्यकर्ताओं की बैठक है लेकिन मैं यहां इतनी बड़ी भीड़ देख रहा हूं। यह दिखाता है कि लोग बदलाव चाहते हैं। उन्होंने बीजेपी पर आरोप लगाया कि पिछले 30 सालों में गुजरात को लूट लिया गया है। किसान परेशान हैं स्कूल और अस्पताल खराब हो चुके हैं। व्यापारी दुखी हैं और युवाओं को नौकरी की बजाय नकली शराब। और नशा परोसा जा रहा है केजरीवाल ने कहा कि अगर बीजेपी ने गुजरात को खुशहाल बनाया होता।

भाजपा ने गुजरात को खोखला कर दिया

केजरीवाल ने कहा कि बीजेपी ने 30 सालों में गुजरात को खोखला कर दिया। भ्रष्टाचार और डर के दम पर सरकार चलाई है। पंचायत से लेकर नगरपालिका तक चारों तरफ भ्रष्टाचार है अगर कोई आवाज उठाए, तो जेल में डाल देते हैं उन्होंने कहा कि किसान परेशान हैं। युवा नौकरी मांगते हैं तो नशा बेचा जाता है, स्कूल और अस्पताल की हालत खराब है। व्यापारी दुखी हैं, लोग बीजेपी को भगाने की बात कर रहे हैं। केजरीवाल ने कहा कि अब डर निकालने का समय आ गया है अगर लोग डरते रहे, तो बीजेपी सब बर्बाद कर देगी। बच्चों को नशे में डाल देगी। उन्हें नौकरी लायक नहीं छोड़ेगी और उन्होंने कहा कि ये लोग जेल का डर दिखाते हैं, जेल जाने से डरना नहीं है, जेल में ही डालेंगे, फांसी नहीं देंगे, 2027 में सत्ता बदलने वाली है, ये सारे बीजेपी वाले जेल में जाएंगे।

गुजरात में बीजेपी की सत्ता 1995 से

गुजरात में बीजेपी की सत्ता 1995 से चली आ रही है लेकिन 2022 के विधानसभा चुनाव में आप ने 14 प्रतिशत वोट हासिल कर राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा पाया। आप ने 5 सीटें जीती। अब 2027 के चुनाव की तैयारी में आप सक्रिय है, केजरीवाल की यह यात्रा तीन दिनों की है, जिसमें वे कार्यकर्ताओं से मिलेंगे और रणनीति बनाएंगे। आप का दावा है कि उनके पास पैसे नहीं हैं, लेकिन लोग खुद खर्च करके रैलियों में आ रहे हैं।

ईवीएम के दुरुपयोग से मुंबई में जीते

केजरीवाल ने मुंबई चुनाव पर भी बात की। उन्होंने कहा कि बीजेपी बहुमत नहीं ला सकी, जो दिखाता है कि जनता उनके खिलाफ है और उन्होंने ईवीएम के दुरुपयोग का आरोप लगाय उन्होंने गुजरात में कांग्रेस की भूमिका पर भी सवाल उठाए। कहा कि कांग्रेस और बीजेपी का रिश्ता क्या है। दोनों आप के खिलाफ एक हो गए हैं लेकिन आप का कहना है कि यह साजिश है राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि आप गुजरात में ग्रामीण इलाकों में अपना आधार मजबूत कर रही है, 2024 लोकसभा चुनाव में आप को इंडिया गठबंधन में दो सीटें मिली लेकिन वे नहीं जीत सके। अब फोकस 2027 पर है।

30 साल के बाद अब बीजेपी की सत्ता को चुनौती

केजरीवाल ने अपने भाषण में बीजेपी की सत्ता को हिलने की बात कही। उन्होंने कहा कि 30 साल के बाद अब बीजेपी की सत्ता हिलने लगी है। उनका जाने का समय आ गया है। उनके विनाश का समय आ गया है। और भगवान ने उनकी बुद्धि खराब करनी शुरू कर दी है। उन्होंने बताया कि बीजेपी ने उनकी इस मीटिंग को रोकने की पूरी कोशिश की। निकोल इलाके में होने वाली मीटिंग को रद्द

कर दिया गया। स्टेज तोड़ दिया गया, कुर्सियां हटा दी गईं और परमिशन नहीं दी गई। आप के गुजरात विधायक गोपाल इटालिया ने आरोप लगाया कि बीजेपी ने डिक्टेटरशिप की हद पार कर दी है। और उन्होंने कहा कि एक प्राइवेट पार्टी प्लॉट बुक किया गया था, पुलिस को सूचना दी गई थी। लेकिन बीजेपी ने मालिक को धमकाकर इवेंट कैंसिल करवा दिया। केजरीवाल ने कहा कि बीजेपी को लगा था कि आप की मीटिंग नहीं हो पाएगी लेकिन सभी कोशिशों के बावजूद सभा हुई और लोग बड़ी संख्या में आए उन्होंने सभी का अभिवादन किया।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

सूर्य, जल और वायु से ली गई ऊर्जा हितकारी

जिस तरह से प्रदूषण और ग्लोबल वार्मिंग बढ़ रहा है वह विश्व के साथ भारत के लिए खतरनाक है। ऐसे प्राकृतिक ऊर्जा या नवीनीकृत ऊर्जा को बढ़ावा देना बहुत आवश्यक है। सूर्य, जल और वायु से प्राप्त ऊर्जा पूर्णत: प्राकृतिक, प्रदूषणमुक्त और सस्ती होती है। इसके उपयोग से जलवायु परिवर्तन और वायु प्रदूषण में कमी आती है। सरकार को इसके लाभों का व्यापक प्रचार करना चाहिए तथा उपभोक्ताओं को टैक्स छूट और सब्सिडी जैसे प्रोत्साहन देने चाहिए ताकि नवीकरणीय ऊर्जा का प्रसार अधिक तेजी से हो सके। लोगों को अपने घरों की छतों पर सौर सिस्टम लगाने के लिए प्रेरित किया जाना चाहिए। उन्हें इसके पर्यावरणीय और आर्थिक लाभों के बारे में जानकारी दी जाए। साथ ही सरकार को सब्सिडी देकर सौर ऊर्जा के प्रसार को प्रोत्साहन देना चाहिए ताकि हर परिवार इसका लाभ उठा सके।

लोगों को अपने घरों की छतों पर सौर सिस्टम लगाने के लिए प्रेरित किया जाना चाहिए। उन्हें इसके पर्यावरणीय और आर्थिक लाभों के बारे में जानकारी दी जाए। साथ ही सरकार को सब्सिडी देकर सौर ऊर्जा के प्रसार को प्रोत्साहन देना चाहिए ताकि हर परिवार इसका लाभ उठा सके।

नवीकरणीय ऊर्जा ऐसे स्रोतों से प्राप्त होती है जो प्राकृतिक रूप से उत्पन्न होकर पुन: निर्मित हो सकते हैं, जैसे सौर, पवन और जलविद्युत ऊर्जा। लोगों को इनकी उपयोगिता समझाने के लिए सेमिनारों का आयोजन किया जाए और सस्ती ब्याज दरों पर ऋण उपलब्ध कराए जाएं, ताकि आमजन भी अपने घरों की छतों पर सौर पैनल लगाकर स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन में भागीदार बन सकें। वर्तमान समय में सरकार को ऊर्जा उत्पादन और परिवहन के क्षेत्र में तापीय और जीवाश्म ईंधनों की जगह पवन, सौर और ज्वारीय ऊर्जा जैसे स्वच्छ विकल्पों को प्राथमिकता देनी चाहिए। साथ ही, इन संसाधनों के क्रय पर सब्सिडी देकर आमजन को इनके उपयोग के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए। नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए सरकार को हरित ऊर्जा की खुली पहुंच सुनिश्चित करनी चाहिए। सौर और पवन ऊर्जा के भंडारण हेतु आधुनिक टरबाइन और पैनल स्थापित किए जाएं। अंतरराज्यीय शुल्क में छूट, टैरिफ आधारित प्रतिस्पर्धी बोली प्रक्रिया, 'प्रधानमंत्री किसान ऊर्जा सुरक्षा एवं उत्थान मिशन' और 'राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन' जैसी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन जरूरी है। हर व्यक्तिव को अपनी छत पर सौर पैनल लगाने के लिए प्रेरित किया जाए और इसके लिए जागरूकता अभियान चलाए जाएं। नवीकरणीय ऊर्जा के विस्तार के लिए सौर व पवन ऊर्जा परियोजनाओं को कर रियायतें दी जाएं, ग्रामीण क्षेत्रों में सौर पैनल स्थापित हों, और ऊर्जा दक्ष तकनीकों को बढ़ावा दिया जाए। सार्वजनिक-निजी साझेदारी को प्रोत्साहित कर हरित ऊर्जा निवेश बढ़ाया जाए। साथ ही, स्कूलों में ऊर्जा साक्षरता कार्यक्रम शुरू किए जाएं ताकि आने वाली पीढ़ी भी स्वच्छ ऊर्जा के महत्व को समझे।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

बंगाल में वर्चस्व के लिए टीएमसी-भाजपा टकराव तेज

मधुरेंद्र सिन्हा

भारत के पूर्वी प्रांत बंगाल में सियासी महासंग्राम शुरू हो चुका है। विधानसभा चुनाव मार्च या अप्रैल में होंगे। पांच मई तक नई सरकार को शपथ लेनी होगी। ममता बनर्जी इस समय कई कारणों से सुर्खियों में हैं। ईडी से उनका टकराव हाल की बात है। उससे पहले उन्होंने एसआईआर के खिलाफ जबर्दस्त आवाज उठाई और चुनाव आयोग को धमकाया। इन हालातों के मध्यनजर सुप्रीम कोर्ट को बीच में आना पड़ा और उन्हें शांत किया। ईडी ने वहां के कोयला कारोबारी और एक एजेंसी आईपैक के दफ्तरों और अन्य ठिकानों पर मनी लॉन्डरिंग के मामले में छापा मारा। ममता दीदी स्वयं वहां पहुंच गईं और फाइलें, लैपटॉप वगैरह उठा ले गईं तथा अपने पुलिस वालों से कहकर ईडी अफसरों और कर्मियों पर एफआईआर तक करवा दी। एफआईआर करवाना उनका पुराना तरीका है ताकि प्रतिद्वंद्वी पर दबाव बना रहे।

अब मामला हाईकोर्ट और यहां तक कि सुप्रीम कोर्ट में चला गया। सुप्रीम कोर्ट में देश के सबसे बड़े दो वकील ममता दीदी की तरफ से खड़े हो गए। ईडी ने कोलकाता छापेमारी मामले में बंगाल पुलिस के कामकाज में दखलंदाजी के आरोपों के बीच बंगाल पुलिस के महानिदेशक को हटाने की मांग की। सुप्रीम कोर्ट में ममता के वकीलों ने राज्य पुलिस द्वारा की गयी एफआईआर को न्यायसंगत बताया। न्यायाधीश ने नाराजगी जताई और कड़े शब्दों में कहा कि यह गंभीर विषय है कि राज्य पुलिस किसी वैधानिक केंद्रीय एजेंसी की कार्रवाई में हस्तक्षेप कर रही है। अदालत ने स्पष्ट किया कि संविधान हर संस्था को स्वतंत्र रूप से काम करने का अधिकार देता है और राज्य पुलिस को यह छूट नहीं है कि वह ईडी जैसी एजेंसियों के काम में बाधा डाले। कोर्ट ने साफ किया कि अंतिम फैसले तक ईडी अधिकारियों के खिलाफ कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं होगी। दूसरी ओर, ममता दीदी ने एसआईआर के खिलाफ मुहिम छेड़ रखी है, जहां से उन्हें डर है कि उनके समर्थकों के नाम ज्यादा संख्या में कट न जाएं।

सभी जानते हैं कि बंगाल में घुसपैठ के चलते लाखों की तादाद में बांग्लादेशी मौजूद हैं। वे खुलेआम टीएमसी का समर्थन करते हैं और इसलिए पार्टी नहीं चाहती है कि उनके नाम कटें। इसके अलावा वहां रोहिंग्या भी बड़ी संख्या में आ घुसे हैं। उन्हें भी देश से भगाने की बात की जा रही है लेकिन ममता दीदी इसे स्वीकार नहीं करतीं। कम्युनिस्ट पार्टी और कांग्रेस के बंगाल में पतन के

बाद अब वहां एक दशक से लड़ाई भाजपा बनाम तृणमूल के बीच है। भाजपा ने पिछले दो चुनावों में काफी प्रयास किया, लेकिन वे टीएमसी की आक्रामक नीति और प्रशासन के सहयोग के सामने जीत का बिगुल नहीं बजा पाए। इस बार पार्टी नई रणनीति के साथ अमित शाह के नेतृत्व में उतरी है। उन्होंने बंगाल के चुनाव की कमान अपने हाथों में ले ली है। गृहमंत्री ने दिसंबर महीने में कोलकाता जाकर वहां पहले तो अपने पार्टी संगठन से जुड़े लोगों से बातचीत की और फिर आरएसएस के कार्यकर्ताओं से मंत्रणा की। मकसद था कि दोनों संगठनों में सामंजस्य बना रहे। उन्होंने बहुत ही आक्रामक ढंग से शुरुआत की है और उसके बाद पीएम मोदी खुद ही बंगाल पहुंच गए। उन्होंने वहां के हुगली जिले के सिंगूर में 830 करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं का शुभारंभ किया। इतना ही नहीं, देश की पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन भी बंगाल से ही शुरू की गई, जबकि राज्य को पहले ही लगभग आधा दर्जन अमृत भारत एक्सप्रेस सेवाएं मिल चुकी हैं। ये सभी कार्यक्रम वोटरों को आकर्षित करने की योजना का हिस्सा हैं। भाजपा और अमित शाह की नीति रही है कि बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं का हौसला बनाए रखा जाए। गृहमंत्री ने बंगाल में यही किया और उनसे हालात का जायजा लिया। इसके साथ ही उन्होंने पार्टी के चुनींदा नेताओं तथा कार्यकर्ताओं के साथ भी गहन बातचीत की। स्थिति की समीक्षा करने और रणनीति बनाने के लिए उन्होंने भाजपा के विधायकों, सांसदों के अलावा म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के सभासदों के साथ महत्वपूर्ण बैठक की। बंगाल, जो कभी देश का एक बहुत बड़ा व्यापारिक केंद्र था, अब गिरावट के कारण 2023-24 में छठे स्थान पर पहुंच गया है।

जीडीपी और प्रति व्यक्ति आय में भी गिरावट आई है। यहां प्रति व्यक्ति औसत आय राष्ट्रीय आय से भी घटकर नीचे आ गई है। तृणमूल कांग्रेस को सत्ता में आए 14 साल से ज्यादा समय हो चुका है। पार्टी ने राज्य से वामपंथी सरकार को उखाड़ फेंका, लेकिन उसके बाद यहां आपेक्षित विकास नहीं हुआ। कानून-व्यवस्था की स्थिति बदतर हो गई। बंगाल में बेरोजगारी दर बढ़ी है। राज्य में पलायन तेज हुआ है। राज्य के स्कूल-कॉलेज को टीएमसी ने राजनीति का गढ़ बना दिया है। साहित्य, कला-संस्कृति से संपन्न यह राज्य रंगत खो रहा है। बहरहाल, सत्तारूढ़ दल और मुख्य विपक्षी दल में तलवारें खिंच गई हैं।

शांति का मुखौटा, सत्ता की रणनीति ट्रंप का वैश्विक विरोधाभास

ललित गर्ग

नोबेल शांति पुरस्कार की उत्कट अभिलाषा में डूबे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का व्यक्तित्व और कार्यशैली वैश्विक राजनीति के लिए एक गहरी विडंबना एवं विरोधाभास बनकर उभरी है। शांति का मसीहा बनने का उनका दावा जितना आकर्षक दिखता है, उतना ही विरोधाभासी उनके कदमों का यथार्थ है। दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में वे जहां शांति स्थापित करने का श्रेय लेना चाहते हैं, वहीं उनके निर्णय, वक्तव्य और नीतियां अक्सर युद्ध, अशांति, भय और अस्थिरता को जन्म देती दिखाई देती हैं। यह कैसी शांति है, जो बमों की गूंज, प्रतिबंधों की मार और नफरत की भाषा के साथ चलती है? यह कैसा शांति-दूत होने का नाटक है, जिसमें मानवता का रक्त बहता रहे और सत्ता अपने हित साधती रहे? गाजा में शांति स्थापना के लिए ट्रंप की प्रस्तावित योजना इसी विरोधाभास का नवीन उदाहरण है।

इसे शांति से अधिक व्यापारिक सौदे की तरह प्रस्तुत किया गया, मानो दशकों से हिंसा, विस्थापन और अस्मिता के संकट से जूझ रहे लोगों का भविष्य किसी रियल एस्टेट या आर्थिक पैकेज से तय किया जा सकता हो। अंतरराष्ट्रीय कानून, संयुक्त राष्ट्र की भूमिका, स्थानीय जनता की सहमति और जवाबदेही-इन सबको दरकिनार कर शांति थोपने की यह कोशिश बताती है कि ट्रंप की दृष्टि में शांति कोई नैतिक या मानवीय मूल्य नहीं, बल्कि शक्ति-प्रदर्शन और राजनीतिक लाभ का औजार है। इस तरह बमों के साये में शांति का दावा डकोसला ही है, जिसमें शांति का सौदा एवं सत्ता की भूख ही दिखती है। ट्रंप की कथित शांति योजना, शांति के नाम पर वर्चस्व की राजनीति ही है। ऐसा लगता है शब्द अहिंसा के और कर्म हिंसा के है। ट्रंप संयुक्त राष्ट्र को अक्षम, पक्षपाती और नौकरशाही से ग्रस्त बताकर उसकी अवहेलना करते रहे हैं, जबकि सच यह है कि वैश्विक शांति और स्थिरता के लिए बहुपक्षीय संस्थाओं का ढांचा अनिवार्य है। शक्तिशाली देशों को जब यह ढांचा अपने अनुकूल नहीं लगता, तो वे उसे कमजोर करने लगते हैं-ट्रंप इसी प्रवृत्ति का मुखर चेहरा हैं।

डोनाल्ड ट्रंप द्वारा प्रस्तावित नए वैश्विक शांति संस्थान का विचार अपने आप में जितना आकर्षक शब्दों से सुसज्जित है, उतना ही अपने अंतर्विरोधों में उलझा हुआ भी है। शांति स्थापना के नाम पर एक ऐसी अंतरराष्ट्रीय संस्था खड़ी करने की कोशिश, जो संयुक्त राष्ट्र जैसे स्वीकृत बहुपक्षीय ढांचे को दरकिनार करती हो, वस्तुत: शांति से अधिक सत्ता-केंद्रित वर्चस्व की आकांक्षा को उजागर करती है। यह प्रश्न स्वाभाविक है कि जिस नेतृत्व की नीतियों का आधार हथियारों के निर्माण और बिक्री, सैन्य गठबंधनों के विस्तार, युद्ध की धमकियों और आर्थिक दंड के जरिये दुनिया पर दबाव बनाना रहा हो, वह अचानक शांति का नया ठेकेदार कैसे बन सकता है? ट्रंप की राजनीतिक सोच में शांति किसी मानवीय प्रतिबद्धता का नहीं, बल्कि सौदेबाजी, नियंत्रण और लाभ का साधन प्रतीत होती है। इसलिए उनके प्रस्तावित शांति संस्थान की उपयोगिता पर गंभीर संदेह खड़ा होता है।

बिना वैधता, जवाबदेही और वैश्विक सहमति के खड़ी की गई कोई भी संस्था शांति का वाहक नहीं बन सकती; वह केवल शक्तिशाली देशों की इच्छाओं को थोपने का उपकरण या जरिया ही बनती है। इस संदर्भ में ट्रंप का यह प्रयास शांति की दिशा में एक ठोस पहल नहीं, बल्कि हिंसा-प्रधान नीतियों पर पर्दा डालने और वैश्विक शासन व्यवस्था पर अपनी पकड़ मजबूत करने का एक और षडयंत्र एवं कुचेष्टा ही दिखाई देता है। ट्रंप की सोच में शांति का अर्थ संघर्षों का समाधान नहीं, बल्कि उन्हें अपने पक्ष में मोड़ना है। कभी वे संयुक्त राष्ट्र के समानांतर इस तरह की एक कथित शांति-व्यवस्था खड़ी करने की बात करते हैं, तो कभी ईरान पर युद्ध की धमकी देते हैं। एक ओर वे यूरोपीय देशों की तारीफ कर अपना प्रभाव जमाने का प्रयास करते हैं, दूसरी ओर उन्हीं देशों पर व्यापारिक प्रतिबंधों और सैन्य खर्च का दबाव डालते हैं। यह दोहरा आचरण और कथनी और करनी का भेद वैश्विक अस्थिरता को बढ़ाता है। शांति की भाषा बोलते हुए हथियारों की बिक्री, सैन्य गठबंधनों का विस्तार और आर्थिक दंड-ये सब उनकी नीतियों के अभिन्न अंग रहे हैं। परिणामस्वरूप दुनिया एक ऐसे मोड़ पर खड़ी है, जहां युद्ध की आहटें तेज हैं और मानवता अस्तित्व के मुहाने पर पहुंचती प्रतीत होती है।

गाजा संकट के संदर्भ में यह और भी स्पष्ट हो जाता है कि बिना वैधता, सहमति और जवाबदेही के थोपी गई शांति कभी स्थायी नहीं होती। यदि नागरिकों की सुरक्षा, जीवन की गरिमा और राजनीतिक अधिकारों को नजरअंदाज किया जाए, तो कोई भी समझौता खोखला साबित होगा। ट्रंप का दृष्टिकोण इन मूलभूत सच्चाइयों को अक्सर अनदेखा करता है। आर्थिक वादों को राजनीतिक अधिकारों के विकल्प के रूप में प्रस्तुत करना एक खतरनाक भ्रम है, जो जमीनी वास्तविकताओं के बोझ से ढह जाता है। शांति तभी टिकाऊ हो सकती है जब उसमें स्थानीय लोगों की वास्तविक आवाज शामिल हो, न्यायपूर्ण समाधान की दिशा में ईमानदार पहल हो। भारत को गाजा में शांति प्रयासों में शामिल करने का प्रस्ताव भी इसी जटिलता को उजागर करता है। भारत का कूटनीतिक इतिहास बहुपक्षवाद, संयुक्त राष्ट्र की केंद्रीय भूमिका और द्विराष्ट्र सिद्धांत के समर्थन से जुड़ा रहा है। भारत के इस्राइल से अच्छे संबंध हैं, तो अरब देशों में भी उसकी विश्वसनीयता बनी हुई है।

गणतंत्र दिवस के पीछे का इतिहास

भारत ने लगभग 200 वर्षों तक ब्रिटिश औपचारिक शासन के तहत रहा, जिसका स्वतंत्रता से मुक्ति प्राप्त हुई 1947 में, जब महात्मा गांधी जैसे प्रमुख नेताओं के महान प्रयासों ने स्वतंत्रता संग्राम की दिशा में कार्य किया। इससे उपमहाद्वीप पर ब्रिटिश शासन का अंत हुआ। स्वतंत्र भारत के लिए स्थायी संविधान का मसौदा स्वतंत्रता के तुरंत बाद ही तैयारी शुरू हुई थी। इसे डॉ. बी.आर. अम्बेडकर के नेतृत्व में बैठे संविधान सभा ने तैयार किया था। विचार-विमर्श और बहस के कई वर्षों के बाद, संविधान सभा ने 1949 में लिखित संविधान का पूरा कर लिया। इसे आधिकारिक रूप से 26 नवंबर, 1949 को अपनाया गया। इस संविधान ने फिर 26 जनवरी, 1950 को पूरी तरह से प्रभावी हो गया। इससे भारत को ब्रिटिश क्राउन के तहत से एक स्वराज्य में परिणाम हुआ और उसे भारतीय गणराज्य में बदल दिया, जिसमें लोकतांत्रिक सरकार है।

बच्चों को देशभक्ति के गाने याद कराएं

बच्चों को फिल्मी संगीत बहुत जल्दी याद हो जाते हैं। उनकी कविताओं या गाने की लिस्ट में देशभक्ति गानों को शामिल करें। राष्ट्रीय गान, राष्ट्रीय गीत सुनाएं और याद कराएं। उन्हें इन देशभक्ति गानों के बारे में बताएं। बच्चों को देशभक्ति से जुड़ी फिल्में भी दिखा सकते हैं।

स्कूलों और समुदायों में उत्सव

गणतंत्र दिवस सप्ताह के भीतर, विद्यालयों और समुदायों में पूरे राष्ट्र में उत्सव आयोजित होते हैं जो भारतीय संविधानिक मूल्यों और विविधता में एकता की प्रतिबद्धता को याद करने के लिए होते हैं। स्कूली बच्चे तिरंगे वाली कैप और पिन के साथ तैयार होते हैं और छोटे भारतीय झंडे लेकर सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भाग लेते हैं, जिनमें गानों, नृत्यों, और नाटकों के माध्यम से स्वतंत्रता संग्राम की कड़ी को दोहराया जाता है। सरकारी कार्यालय प्रकाशित होते हैं, सार्वजनिक स्थानों को पतंग और रोशनियों से सजाया जाता है, और स्थानीय समुदाय मेले और प्रतियोगिताओं के साथ जज्बाती स्वाभाविकता को बढ़ाते हैं और राष्ट्र के भविष्य के प्रति आशाएं दिखाते हैं। भारत के शहरों में तिरंगे के रंग की कैनोपी प्रकाशित की जाती है।

गणतंत्र दिवस

इसी दिन रखी गयी देश के लोकतंत्र की मजबूत नींव

गणतंत्र दिवस शाही शासन से भारत की राजनीतिक स्वतंत्रता के साथ-साथ सभी नागरिकों के लिए समानता और सामाजिक न्याय के लिए समर्पित एक आधुनिक संवैधानिक गणराज्य के रूप में इसके पुनर्जन्म का जश्न मनाने वाला एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। 26 जनवरी को वार्षिक उत्सव दुनिया के सबसे बड़े लिखित लोकतांत्रिक संविधान के लागू होने का जश्न मनाने के लिए मनाया जाता है, जिसने एक बहुलवादी धर्मनिरपेक्ष लोकतंत्र की मजबूत नींव रखी, जिसका लक्ष्य भारत की विविधता को एक समावेशी, प्रगतिशील और एकीकृत राष्ट्र के रूप में एकजुट करना है जो शांति और समृद्धि की ओर अग्रसर हो। सभी के लिए। गणतंत्र दिवस हमें नागरिकों के रूप में संवैधानिक आदर्शों और मूल्यों का समर्थन करने और सुरक्षित रखने के लिए पुनर्नवीनीकरण करता है ताकि भारत को प्रगतिशील सभीसंग की ऊंचाइयों तक ले जाया जा सके।

इस साल देश अपना 77वां गणतंत्र दिवस मना रहा है

गणतंत्र दिवस का महत्व

संविधान को अपनाने से भारत को विश्व का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक संघीय गणराज्य बनाया गया, जिसे लोकतांत्रिक रूप से शासित किया जाता है। भारतीय संविधान ने सभी नागरिकों को धर्म, वर्ग, जाति या लिंग की परवाह किए बिना वोट देने के अधिकार की गारंटी देते हुए सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार को संस्थागत बनाया। यह अग्रणी था, क्योंकि उस समय 20 से भी कम देशों के पास सार्वभौमिक मताधिकार था। अन्य प्रमुख संवैधानिक अधिकारों ने सार्वजनिक स्थानों पर समान पहुंच की गारंटी दी और साथ ही अस्पृश्यता और बंधुआ मजदूरी को समाप्त कर दिया। इसलिए यह तारीख सभी भारतीय नागरिकों के लिए सामाजिक समानता और समान अवसर के नागरिक अधिकारों को लागू करने का प्रतीक है। इसने सभी के लिए समानता और सामाजिक न्याय पर आधारित लोकतांत्रिक प्रतिनिधित्व के माध्यम से शासन करने की भारत की शानदार प्रतिबद्धता को चिह्नित किया।

हंसना मना है

रामू- यार जब तुम्हें गर्मी लगती है तो क्या करते हो। ढोलू- तब हम एसी के सामने बैठ जाते हैं। रामू- और जब बहुत ज्यादा गर्मी हो तो क्या करते हो? ढोलू- जब ज्यादा गर्मी पड़ती हैं तो फिर एसी को ऑन कर देते हैं।

एक लड़का अपनी गर्लफ्रेंड से मिलने गया। कुछ बातचीत के बाद लड़की चाय बनाने गई। लड़की का फोन सोफे पर था, लड़के ने सोचा देखता हूं फोन में मेरा नंबर किस नाम से सेव है स्वीटू या जानु? लड़के ने अपने फोन से मिस कॉल दिया, लड़की फोन पर उसका नाम लिखा आया मुर्गा न. 5..

एक खूबसूरत लड़की बस स्टैंड पर खडी थी। एक नौजवान बोला- चांद तो रात में निकलता हैं, आज दिन में कैसे निकल आया? लडकी बोली- अरे उल्लू तो रात को बोलता था, आज दिन में कैसे बोल रहा हैं।

भिखारी - भगवान के नाम पर कुछ दे दो सेठ जी, सेठ - अभी खुल्ले नहीं हैं...कल ले लेना..! भिखारी - हमारे धंधे में उधार नहीं चलता सेठ जी, अभी दे दो...

कहानी | लालची बिल्ली और बंदर

एक जंगल में सभी जानवर मिलजुल कर रहा करते थे। उन्हीं जानवरों में चीनी और मिनी नाम की दो बिल्लियां भी थीं। वे दोनों बहुत अच्छी सहेलियां थीं और एक दूसरे का साथ कभी नहीं छोड़ती थीं। जंगल में रहने वाले सभी जानवर उनकी दोस्ती की सभी तारीफ किया करते थे। एक बार मिनी को किसी काम से बाजार जाना पड़ा, लेकिन किसी कारण से चीनी उसके साथ नहीं जा सकी। चीनी का अकेले मन नहीं लग रहा था, तो उसने सोचा कि क्यों न वो भी बाजार घूम कर आए। उसे एक रोटी का टुकड़ा मिला। मन में लालच आ गया और वो उसे लेकर घर आ गई। जैसे ही वह रोटी के टुकड़े को खाने वाली थी, तभी मिनी आ गई। मिनी ने उसके हाथ में रोटी देखी, तो उससे पूछा चीनी हम तो सब कुछ बांटकर खाते हैं और तुम तो मेरे साथ ही खाना खाती थी। क्या आज तुम मुझे रोटी नहीं दोगी? चीनी ने मिनी को देखा तो डर गई और मन ही मन मिनी को कोसने लगी। इस पर चीनी ने कहा कि अरे नहीं मैं तो रोटी को आधा-आधा कर रही थी, मिनी सब समझ गई थी और उसके मन में भी लालच आ गया था, लेकिन कुछ बोली नहीं। जैसे ही रोटी के टुकड़े हुए, मिनी चीख पड़ी कि मेरे हिस्से में कम राटी आई है। रोटी चीनी को मिली थी इसलिए, वो उसे कम देना चाहती थी। फिर भी वो बोली कि रोटी तो बराबर ही दी है। इस बात को लेकर दोनों में झगड़ा हो गया और धीरे-धीरे यह बात पूरे जंगल में फैल गई। सभी जानवर उन दोनों को लड़ते हुए देख रहे थे। उसी समय वहां एक बंदर आया और उसने कहा कि मैं दोनों के बीच में बराबर रोटी बांट दूंगा। सभी जानवर बंदर की हां में हां मिलाने लगे। न चाहते हुए भी दोनों ने बंदर को रोटी दे दी। बंदर कहीं से तराजू लेकर आया और दोनों ओर रोटी के टुकड़े रख दिए। जिस तरफ वजन ज्यादा होता, वो उस तरफ की थोड़ी-सी रोटी यह बोलकर खा लेता कि इस रोटी को दूसरी तरफ रखी रोटी के वजन के बराबर कर रहा हूं। वो जानबूझकर ज्यादा रोटी का टुकड़ा खा लेता, जिससे दूसरी तरफ की रोटी वजन में ज्यादा हो जाती। ऐसा करने से दोनों ओर रोटी के बहुत छोटे-छोटे टुकड़े बचे। बिल्लियों ने जब इतनी कम रोटी देखी तो बोलने लगीं कि हमारी रोटी के टुकड़े वापस दे दो। हम बची हुई रोटी को आपस में बांट लेंगे। तब बंदर बोला कि अरे वाह, तुम दोनों बहुत चालाक हो। मुझे मेरी मेहनत का फल नहीं दोगी क्या। ऐसा बोलकर बंदर दोनों पलड़ों में बची हुई रोटी के टुकड़ों को खाकर चला गया और दोनों बिल्लियां एक दूसरे का मुंह तांकती रह गईं।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष रोजगार मिलेगा। अप्रत्याशित लाभ होगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। विवाद न करें। स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही न करें।

वृषभ फालतू खर्च होगा। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। वाणी पर नियंत्रण रखें। चिंता रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। नवीन मुलाकातों से लाभ होगा। आमदनी बढ़ेगी।

मिथुन विवाद से क्लेश होगा। शारीरिक कष्ट संभव है। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा सफल रहेगी। आपसी मतभेद, मनमुटाव बढ़ेगा। आर्थिक समस्या बनी रहेगी।

कर्क घर-बाहर तनाव रहेगा। विवाद को बढ़ावा न दें। जल्दबाजी न करें। नई योजना बनेगी। नए अनुबंध होंगे। किसी मामले में कटु अनुभव मिल सकते हैं।

सिंह धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। यात्रा सफल रहेगी। धन प्राप्ति सुगम होगी। कानूनी बाधा दूर होकर लाभ होगा। पूंजी निवेश बढ़ेगा। व्यापार -व्यवसाय में तरक्की होगी।

कन्या चोट, चोरी व विवाद आदि से हानि संभव है। पुराना रोग उभर सकता है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। परिवार की स्थिति अच्छी रहेगी। रचनात्मक काम करेंगे।

तुला शारीरिक कष्ट से बाधा संभव है। भागदौड़ रहेगी। घर-परिवार का सहयोग प्राप्त होगा। राजकीय सहयोग मिलेगा। कार्यकुशलता सहयोग से लाभान्वित होंगे।

वृश्चिक चोट व रोग से बाधा संभव है। बेचैनी रहेगी। भूमि व भवन संबंधी बाधा दूर होगी। रोजगार मिलेगा। संतान के स्वास्थ्य में सुधार होगा। सोचे कामों में मनचाही सफलता मिलेगी।

धनु पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। विद्यार्थी वर्ग को सफलता मिलेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रमाद न करें। नए कार्यों, योजनाओं की चर्चा होगी।

मकर पुराना रोग उभर सकता है। भागदौड़ रहेगी। दु:खद समाचार मिल सकता है। धैर्य रखें। अस्वस्थता बनी रहेगी। खुद के प्रयत्नों से ही जनप्रियता एवं सम्मान मिलेगा।

कुम्भ प्रयास सफल रहेंगे। प्रशंसा प्राप्त होगी। धन प्राप्ति सुगम होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें। लाभ होगा। व्यवसाय अच्छा चलेगा। कार्य क्षेत्र में नई योजनाओं से लाभ होगा।

मीन पुराने संगी-साथियों से मुलाकात होगी। शुभ समाचार प्राप्त होंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। परिश्रम का पूरा परिणाम मिलेगा। अच्छी व सुखद स्थितियां निर्मित होंगी।

बॉलीवुड | मन की बात

अहान पर कोई अंगुली उठायेगा तो मैं चुप नहीं बैठूंगा : सुनील शेट्टी

सिनेमाघरों में 23 जनवरी को बॉर्डर 2 आने वाली है। इस फिल्म के एक इवेंट में बॉर्डर एक्टर सुनील शेट्टी भावुक हो गए थे। उन्होंने अपने बेटे अहान शेट्टी की डेब्यू फिल्म के फ्लॉप होने के बाद के संघर्ष को याद किया था। अब एक नए इंटरव्यू में सुनील ने इस भावुक पल के बारे में बात की। उन्होंने माना कि जब बात बच्चों की आती है, तो वे पूरी तरह अलग इंसान बन जाते हैं। सुनील ने बताया कि बॉर्डर 2 के सॉन्ग लॉन्च इवेंट में उनका दिल हावी हो गया और आंखें भर आई थीं। उन्होंने कहा कि वे अपने बच्चों के सामने कमजोर होने में कोई गुरेज नहीं करते, क्योंकि यही उनका असली रूप है। सुनील ने बताया कि इवेंट के दौरान अहान ने अपना हाथ उनकी पीठ पर रखा, जिससे वे और ज्यादा इमोशनल हो गए। एक्टर ने कहा, जब बात बच्चों की आती है, तो मुझे लगता है कि माता-पिता सबसे ज्यादा कमजोर हो जाते हैं और पूरी तरह अलग इंसान बन जाते हैं। इससे पहले सुनील शेट्टी ने उन ट्रोल्स और नेगेटिव पीआर करने वालों पर जमकर निशाना साधा था जो उनके बेटे के खिलाफ बोलते हैं। इस इंटरव्यू में सुनील ने कहा कि वे अहान को अपनी जिंदगी के फैसले खुद लेने देते हैं और वह जो फिल्में करना चाहता है, वो चुन सकता है। लेकिन अगर कोई उनके बेटे पर उंगली उठाएगा, तो वे चुप नहीं बैठेंगे। खुद को पुराने जमाने का शेट्टी बॉय बताते हुए उन्होंने कहा, मैं किसी को छोड़ूंगा नहीं। मैं आपको चुनौती दूंगा। आपको जिस तरह से लेना चाहोगे, उसी तरह से लूंगा, क्योंकि मैं साफ-सुथरा, ईमानदार और निडर हूं। सुनील ने आगे कहा कि ईमानदारी के साथ एक खास तरह की निडरता भी आती है। उन्होंने यह भी बताया कि अहान शेट्टी की डेब्यू फिल्म तड़प के दौरान उन्होंने बिल्कुल दखल नहीं दिया और बॉर्डर 2 का एक भी फ्रेम नहीं देखा। बॉर्डर 2 के इवेंट में सुनील शेट्टी सिर्फ इसलिए गए थे, क्योंकि मेकर्स ने उन्हें इनवाइट किया था। एक्टर ने कहा, ये मेरे बेटे की फिल्म है, तो ये मेरी भी फिल्म है और मैं इसे करूंगा।

सूर्य कुमार यादव पर 500 करोड़ का केस करेंगी खुशी मुखर्जी

इंडियन क्रिकेटर सूर्यकुमार यादव को लेकर बीते दिनों एक्ट्रेस खुशी मुखर्जी ने बड़ा दावा किया था। उन्होंने पैप्स से बात करते हुए कहा था कि क्रिकेटर अक्सर उन्हें मैसेज करते थे। इसके बाद तो जैसे इंटरनेट पर बवाल ही मच गया। खुशी को तब झटका लगा जब इंफ्लुएंसर फैजान अंसारी ने उनके खिलाफ 100 करोड़ रुपये का मानहानि का केस किया। तब खुशी अपनी बात से पलटती हुई दिखीं।

अब कहानी में नया ट्विस्ट आया है। खुशी ने हाल ही में पैप्स से बात करते हुए बड़ी बात कह दी है। उन्होंने कहा, अगर सूर्यकुमार यादव ये मानहानि का केस हारे तो वो उनके खिलाफ 500 करोड़ का केस करेंगी। इसी दौरान खुशी ने बताया कि दोनों ने काफी समय पहले फ्रेंडली मैनर में बात की थी। खुशी ने इस बात पर जोर दिया कि उनके बात करने में कुछ भी गलत नहीं था। उनके मुताबिक, उनकी कैजुअल चैटिंग को बड़ी बात बना दिया गया है। वो कहती हैं-बहुत सारे लोग उनके बारे में बात करते हैं, इसमें क्रिकेटर्स भी शामिल हैं। अलग-अलग प्रोफेशन के नॉन मैरिड लोग भी इसमें शुमार हैं।

खुशी ने बताया कि उन्होंने अपनी बातों से किसी को डिफेम नहीं किया है। वो बहुत प्यार से बात करती हैं। जिसने उनके खिलाफ मानहानि का केस फाइल किया है वो उस इंसान को जानती तक नहीं हैं। खुशी ने ये भी बताया कि उन्हें अभी तक कोई लीगल नोटिस नहीं मिला है।

इससे पहले खुशी ने क्लेरिफाई किया था कि वो सूर्यकुमार को डिफेंड नहीं कर रही थीं। उनकी बात को खींचा गया है। इंस्टैंट बॉलीवुड संग बातचीत में एक्ट्रेस ने कहा था-मेरे मुंह से बात निकल गई है, हमारी बात होती थी, शायद मुंह से नहीं निकलना चाहिए था। लेकिन उसमें मानहानि करने जैसी कोई बात नहीं थी। अब खुशी चाहे जो भी कहें लेकिन उनके बयान की यूजर्स ने भी आलोचना की थी। कहा गया था कि वो अटेंशन पाने के लिए ऐसी बातें बोल रही हैं। उनका करियर खास नहीं चला है। वो कुछ रियलिटी शोज में दिखी हैं। अपनी बोल्ड पर्सनैलिटी और रिवीलिंग कपड़ों की वजह से सुर्खियों में रहती हैं।

फिल्म पुरुषन में योगी बाबू और विशाल के साथ नजर आएंगी तमन्ना भाटिया

अभिनेता विशाल, तमन्ना भाटिया और निर्देशक सुंदर सी फिर से एक साथ काम करने जा रहे हैं। उनकी नई फिल्म का नाम पुरुषन है। बुधवार को इस फिल्म की आधिकारिक घोषणा हुई और साथ ही धमाकेदार एक्शन के साथ टीजर भी जारी किया गया।

पुरुषन फिल्म की कहानी एक्शन से भरपूर है, जैसा की टीजर में दिखाया गया है। एक्टर विशाल का रोल एक शांत और आज्ञाकारी पति का है, जो घर में सारा काम करता है। लेकिन उसके अंदर एक छिपा हुआ हिंसक और एक्शन वाला इंसान है, जिसके बारे में उसकी दबंग पत्नी (तमन्ना) को शायद पता नहीं है। टीजर में दिखाया गया है कि वह घर की रसोई में ही गुंडों से लड़ता है।

फिल्म पुरुषन का निर्माण एसीएस अरुण कुमार ने बेन्ज मीडिया के तहत किया है। इसमें खुशबू सुंदर भी शामिल हैं। संगीत हिपहॉप तमिझा ने दिया है, कैमरा गोपी अमरनाथ ने संभाला है और एडिटिंग रोजर कर रहे हैं। इस फिल्म में योगी बाबू भी हैं, जिससे और मजा आने की उम्मीद है। अभी फिल्म की रिलीज डेट नहीं बताई गई है।

यह विशाल और सुंदर सी की एक साथ चौथी फिल्म है। पहले वे आंबला, एक्शन और मधा गज राजा जैसी फिल्मों में साथ काम कर चुके हैं। फैंस को हमेशा विशाल-सुंदर सी की हिट जोड़ी की फिल्म का इंतजार रहता है। तमन्ना के फैंस बेसब्री से उनकी फिल्म पुरुषन की रिलीज का इंतजार कर रहे हैं।

अजब-गजब | इसे कहा जाता है भारत का सबसे शातिर ठग

इस ठग ने बेच दिया था ताजमहल और संसद

हम आपको भारत के एक ऐसे शख्स के बारे में बताने जा रहे हैं जिसे देश का सबसे शातिर ठग माना जाता है। क्योंकि इस शख्स ने ताज महल और संसद भवन तक को बेच दिया था। इस शख्स ने भी अपनी चतुराई से ताजमहल को जिसे बेचा उसे ये यकीन दिला दिया कि वो सचमुच में ताजमहल का मालिक बनने वाला है। दरअसल, हम बात कर रहे हैं बिहार के सीवान जिले के बंगरा गांव का रहने वाले मिथिलेश कुमार श्रीवास्तव की।

मिथिलेश कुमार श्रीवास्तव पेशे से वकील था। लेकिन उसने लोगों को ठगने का काम शुरू कर दिया था। मिथिलेश लोगों को चूना लगाने के लिए अपना नाम बदलता और उनसे अलग-अलग नामों से ठगी करता। मिथिलेश ने करीब 50 फर्जी नामों का इस्तेमाल कर ठगी की थी। उसने जिन लोगों को ठगा उसमें टाटा, बिड़ला, मित्तल और अंबानी जैसे नाम भी शामिल हैं।

बता दें कि मिथिलेश कुमार श्रीवास्तव के पास देश के प्रसिद्ध लोगों के हस्ताक्षर बनाने की कला थी। इसी के दम पर वह बड़ी-बड़ी ठगी को अंजाम दिया। देश के ऐतिहासिक स्थलों को बेचने पर अपनी दृष्टि स्थापित करने से पहले उसने ही उसने प्रसिद्ध हस्तियों के हस्ताक्षर बनाने की कला में महारत हासिल कर ली थी। मिथिलेश श्रीवास्तव ने संसद भवन, ताजमहल, लाल किला, राष्ट्रपति भवन को भी बेच दिया था।

बता दें कि महाठक मिथिलेश कुमार श्रीवास्तव को देश के 8 राज्यों की पुलिस तलाश कर रही थी। इन राज्यों में उसके खिलाफ 100 से ज्यादा मामले दर्ज थे। जिसके लिए मिथिलेश श्रीवास्तव को 113 साल जेल सजा हुई थी। लेकिन इसमें से उसने केवल 20 साल की कैद ही काटी। मिथिलेश कुमार श्रीवास्तव को पुलिस ने नौ बार गिरफ्तार किया। लेकिन वह हर बार पुलिस के चुंगल से भाग निकला। एक घटना में, उसने एक पुलिस-अधिकारी की वर्दी चुराई और उसे पहनकर बड़ी आसानी से जेल से बाहर आ गया। मिथिलेश श्रीवास्तव को आखिरी बार 1996 में गिरफ्तार किया गया। तब उसकी उम्र 84 साल थी, लेकिन इस बार भी वो भागने में सफल हो गया।

बताया जाता है कि जब उसे आखिरी बार गिरफ्तार किया गया, तब उसने कानपुर जेल से एम्स अस्पताल में पुलिस एस्कॉर्ट के साथ इलाज के लिए भेजा गया। लेकिन जब वह नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर पहुंचा वहां से गायब हो गया। उसके बाद वह कभी नजर नहीं आया। मिथिलेश की मौत कैसे हुई ये आज भी रहस्य बनी हुई है। हालांकि, कुछ लोगों का दावा है कि उसकी मृत्यु 25 जुलाई 2009 को हुई। जबकि उनके भाई गंगा प्रसाद श्रीवास्तव ने 1996 में रांची में उसका अंतिम संस्कार करने का दावा किया था।

दो पत्नियों के बीच पंचायत ने पति का किया अनोखा बंटवारा, बना दिया पूरा टाइमटेबल

पति-पत्नी के विवाद तो आम हैं, लेकिन उत्तर प्रदेश के रामपुर जिले से सामने आया यह मामला चर्चा का विषय बन गया है। यहां दो पत्नियों के बीच पति को लेकर चल रहे लगातार झगड़े को खत्म करने के लिए पंचायत ने ऐसा फैसला सुनाया, जिसकी पूरे जिले में चर्चा हो रही है।

नगलिया आकिल गांव से सामने आया मामला: यह मामला अजीमनगर थाना क्षेत्र के नगलिया आकिल गांव का है। यहां रहने वाला एक मुस्लिम युवक अपनी दो पत्नियों के साथ रहता है। युवक की पहली शादी परिवार की सहमति से हुई थी, जबकि दूसरी शादी उसने प्रेम विवाह के रूप में की थी। दोनों पत्नियों के बीच पति के साथ रहने को लेकर आए दिन विवाद होता रहता था, जिससे घर का माहौल लगातार तनावपूर्ण बना हुआ था। **विवाद पहुंचा पुलिस तक:** पति को लेकर चल रहा यह झगड़ा धीरे-धीरे इतना बढ़ गया कि मामला पुलिस थाने तक पहुंच गया। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने गांव के बुजुर्गों और जिम्मेदार लोगों से हस्तक्षेप करने को कहा, ताकि विवाद का कोई स्थायी समाधान निकाला जा सके। **पंचायत में हुई दोनों पत्नियों और पति की सुनवाई:** विवाद सुलझाने के लिए गांव में पंचायत बुलाई गई। पंचायत में पति और उसकी दोनों पत्नियां मौजूद रहीं। बुजुर्गों ने तीनों पक्षों की बात ध्यान से सुनी और आपसी सहमति से समाधान निकालने की कोशिश की। **पंचायत का फैसला, सप्ताह के दिन तय:** लंबी चर्चा के बाद पंचायत ने बीच का रास्ता निकालते हुए फैसला सुनाया। तय किया गया कि —सोमवार, मंगलवार और बुधवार पति पहली पत्नी के साथ रहेगा। —गुरुवार, शुक्रवार और शनिवार दूसरी पत्नी के साथ रहेगा। —रविवार को पति का अवकाश रहेगा, इस दिन वह अपनी मर्जी से कहीं भी रह सकता है या अकेले समय बिता सकता है। **लिखित समझौता और खास छूट:** पंचायत ने यह भी तय किया कि विशेष परिस्थितियों में एक-दो दिन आगे-पीछे करने की छूट दी जा सकती है। इस फैसले को अंतिम रूप देते हुए पति और दोनों पत्नियों ने लिखित समझौते पर हस्ताक्षर किए, ताकि भविष्य में कोई नया विवाद न हो।

भाजपा ऐसा हिंदुस्तान चाहती है जहां एक राजा सारे फैसले करे: राहुल

» मनरेगा को लेकर एकबार फिर सांसद का पीएम मोदी पर हमला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। मनरेगा को नेता नेता प्रतिपक्ष लोकसभा राहुल गांधी ने एकबार फिर भाजपा पर प्रहार किया है। कांग्रेस सांसद ने कहा मनरेगा की परिकल्पना गरीबों को रोजगार देने के अधिकार का कानून था इसमें लोगों और मजदूरों की आवाज थी। उन्होंने कांग्रेस के प्रकोष्ठ रचनात्मक कांग्रेस द्वारा आयोजित कार्यक्रम मनरेगा बचाओ मोर्चा में यह आरोप भी लगाया कि भाजपा एक ऐसा हिंदुस्तान चाहती है जहां एक राजा सारे फैसले करे। इस योजना ने हर गरीब व्यक्ति को 100 दिनों के रोजगार की गारंटी दी थी।

राहुल गांधी ने 'महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम की जगह लाए गए 'विकसित भारत-जी राम जी अधिनियम' को लेकर भारतीय जनता पार्टी तथा केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए लोगों का आह्वान किया कि वे सरकार के इस कदम के खिलाफ एकजुट होकर खड़े हों। उन्होंने कहा कि अब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भाजपा इसे खत्म करना चाहते हैं। पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष ने निरस्त हो चुके कृषि कानूनों का उल्लेख करते हुए कहा कि किसानों ने दबाव डालकर कानूनों को रद्द करवाया था तथा उन्होंने मजदूरों को रास्ता दिखाया है। राहुल गांधी ने दावा किया कि ये लोग (भाजपा) आधुनिक भारत के ढांचे को खत्म करना चाहते हैं। उन्होंने कहा, मुझे मालूम है कि ये (भाजपा) डरपोक लोग हैं। अगर हम लोग एक साथ खड़े हो गए तो आप निर्णय लेंगे कि योजना का नाम क्या होगा और यह कैसे चलेगी। उन्होंने कहा कि सरकार के खिलाफ गरीबों को एकजुट होकर खड़ा होना पड़ेगा।

नेता प्रतिपक्ष बोले- भाजपा के लोग डरपोक हैं

मप्र कांग्रेस का वोटर लिस्ट से नाम काटने का आरोप

मध्यप्रदेश में वोटर लिस्ट के स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआइआर) को लेकर कांग्रेस और आक्रामक हो गई है। प्री-प्रिंटेड फॉर्म-7, बड़े पैमाने पर नाम काटे जाने और कथित फर्जी आपत्तियों के आरोपों के बीच कांग्रेस ने अब सीधे निर्वाचन आयोग के दफ्तर पहुंचकर मोर्चा खोल दिया है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के नेतृत्व में कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं का प्रतिनिधि मंडल गुरुवार को भोपाल स्थित निर्वाचन आयोग कार्यालय पहुंचा और अधिकारियों से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा।

11 लाख नाम जोड़े और लाखों नाम हटाये गये : पटवारी

जीतू पटवारी ने कहा कि हाल ही में मतदाता सूची में करीब 11 लाख नए नाम जोड़े गए हैं, वहीं लाखों ऐसे मतदाताओं के नाम हटाए जा रहे हैं, जिन्हें कांग्रेस सवर्थक बताया जा रहा है। उन्होंने इसे लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ बताते हुए कहा कि यह मताधिकार को कमजोर करने की सुनियोजित कोशिश प्रतीत होती है। पटवारी ने आरोप लगाया कि आयोग के नियमों के बावजूद प्रदेश के कई जिलों में एक ही व्यक्ति द्वारा 200-200 आपत्तियां दर्ज कराई गई हैं। यह न सिर्फ नियमों का उल्लंघन है, बल्कि पूरी एसआईआर प्रक्रिया की पारदर्शिता पर गंभीर सवाल खड़े करता है। कई इलाकों में भाजपा के बीएलए और कुछ बीएलओ की मिलीभगत से मतदाताओं पर दबाव बनाकर फॉर्म-7 जबरन भरवाए जा रहे हैं। इससे विशेष रूप से कमजोर वर्गों और अल्पसंख्यक क्षेत्रों में मतदाताओं के अधिकार प्रभावित हो रहे हैं।

केजरीवाल को बड़ी राहत, अदालत से बरी

» शराब घोटाले से जुड़े 2 केस में कोर्ट ने दिया फैसला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने आज पूर्व दिल्ली मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल को कथित शराब नीति घोटाले से संबंधित ईडी के समन का पालन न करने के मामलों में बरी कर दिया। राउज़ एवेन्यू कोर्ट के अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट पारस दलाल ने फैसला सुनाया। विस्तृत आदेश की प्रतीक्षा है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में केजरीवाल को जारी समन का पालन न करने के लिए उनके खिलाफ अदालत में याचिका दायर की थी।

ईडी ने आरोप लगाया था कि केजरीवाल ने जांच में शामिल होने के लिए जारी किए गए समन का जानबूझकर पालन नहीं किया। ईडी ने केजरीवाल के खिलाफ समन का पालन न करने के आरोप में दो आपराधिक शिकायतें दर्ज की थीं। मुख्यमंत्री केजरीवाल ने 2 नवंबर और 21 दिसंबर 2023 तथा 3 जनवरी और 18 जनवरी 2024 को जारी किए गए ईडी के समन में उपस्थित नहीं हुए थे। उन्होंने इन समन नोटिसों को अवैध बताया था। केजरीवाल को ईडी ने 21 मार्च, 2024 को गिरफ्तार किया था। उन्हें 20 जून, 2024 को राउज़ एवेन्यू कोर्ट की अवकाशकालीन न्यायाधीश नियाय बिंदु ने जमानत दे दी थी। ईडी की चुनौती पर दिल्ली उच्च न्यायालय ने इस आदेश पर रोक लगा दी थी। जुलाई 2024 में सर्वोच्च न्यायालय ने केजरीवाल को अंतरिम जमानत देते हुए ईडी द्वारा उनकी गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली याचिका को उच्च पीठ के पास भेज दिया। ईडी ने आरोप लगाया था कि आबकारी नीति को कुछ निजी कंपनियों को थोक व्यापार में 12 प्रतिशत का लाभ देने की साजिश के तहत लागू किया गया था, हालांकि जीओएम की बैठकों के कार्यवृत्त में ऐसी कोई शर्त दर्ज नहीं थी।

थरूर ने कांग्रेस की हाई-लेवल बैठक से बनाई दूरी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोच्चि। शशि थरूर एक महत्वपूर्ण बैठक में शामिल न होने का फैसला किया है। सूत्रों के अनुसार, थरूर का यह कदम हाल ही में कोच्चि में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान हुए अपमान के प्रति उनके कड़े विरोध को दर्शाता है। थरूर को कोच्चि में एक महापंचायत कार्यक्रम में अपमानित महसूस हुआ, जहां पार्टी सांसद राहुल गांधी भी मौजूद थे। अहम चर्चा मीटिंग से थरूर की गैरमौजूदगी हाई-स्टेक वाले राज्य चुनावों से पहले पार्टी के अंदरूनी मतभेद का संकेत देती है। वह फिलहाल कांग्रेस के राज्य और केंद्रीय नेतृत्व दोनों से नाराज़ हैं, जिसके कारण उन्होंने मीटिंग में शामिल न होने का फैसला किया है।

थरूर ने अपने करीबी सहयोगियों को अपनी निराशा बताई है, और कहा है कि यह घटना पार्टी के अंदर उनके योगदान की अनदेखी के एक बड़े पैटर्न को दिखाती है। कोच्चि इवेंट में, बैठने और बोलने के शेड्यूल को लेकर दिक्कतें आईं। थरूर को बताया गया था कि उनके बाद सिर्फ राहुल बोलेंगे, लेकिन बाद में दूसरे नेताओं ने भी भाषण दिया। व्यवस्थाओं को लेकर यह कन्फ्यूजन सार्वजनिक अपमान के तौर पर देखा गया, खासकर कांग्रेस में थरूर की वरिष्ठता को देखते हुए। शुरुआती निर्देश के बावजूद राहुल के बाद कई अन्य नेताओं ने कार्यक्रम को संबोधित किया। तय प्लान से यह बदलाव थरूर की नाराजगी का कारण बना, खासकर वक्ताओं के क्रम के संबंध में प्रोटोकॉल के उल्लंघन को देखते हुए इस घटना ने पार्टी कार्यकर्ताओं के बीच आंतरिक अनुशासन और वरिष्ठ नेताओं के सम्मान के बारे में चर्चा शुरू कर दी है।

छोला-चावल खाने से ट्रेनियों की तबीयत बिगड़ी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लखनऊ के एमसी सक्सेना ट्रेनिंग सेंटर में इमरजेंसी मेडिकल टेक्नीशियन (ईएमटी) ट्रेनियों की खाना खाने के बाद अचानक तबीयत बिगड़ गई। गंभीर हालत में करीब 25 ट्रेनियों को लखनऊ के अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। बलरामपुर अस्पताल के एसएसबी ब्लॉक के डेंगू वार्ड में 20 ट्रेनियों का इलाज चल रहा है। ठाकुरगंज के टीबी अस्पताल में 5 ट्रेनी भर्ती हैं।

भर्ती ट्रेनियों ने बताया- रात में छोला-चावल, रोटी और आलू की सब्जी खायी। रात करीब 10 बजे के बाद एक-एक करके सबकी तबीयत बिगड़नी शुरू हो गई। उल्टी-दस्त और बुखार से सभी लोग कराहने लगे। इसकी सूचना सेंटर के अफसरों को दी गई। मौके पर दवाई दी गई। फायदा नहीं होने पर अस्पताल में भर्ती कराया गया। बलरामपुर अस्पताल के निदेशक ने बताया कि एमसी सक्सेना एमपी ट्रेनिंग सेंटर से अचानक कई लोगों की तबीयत बिगड़ने की खबर आई। बुधवार देर रात करीब एक दर्जन ट्रेनी इमरजेंसी में ला गए हैं। उनको तत्काल भर्ती कर इलाज शुरू किया गया। गुरुवार सुबह भी कुछ लोगों की तबीयत बिगड़ी है। मौजूदा समय कुल

» 25 ट्रेनियों को लखनऊ के अलग-अलग अस्पतालों में कराया गया भर्ती

18 ट्रेनी का इलाज चल रहा। राहत की बात यह है कि सभी की हालत में सुधार है। कहीं कोई गंभीर कंडीशन में नहीं है। 108 इमरजेंसी सर्विस का संचालन करने वाली ईएमआर कंपनी यह ट्रेनिंग कराती है। 40 दिन की ट्रेनिंग होती है। ट्रेनिंग के लिए ट्रेनी 45 हजार रुपए जमा करते हैं। बलरामपुर अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. देबाशीष शुक्ला ने बताया कि बीमार ट्रेनियों को इमरजेंसी में लगा गया था। अब वार्ड में उपचार चल रहा है। फूड प्वाइजनिंग के लक्षण लग रहे हैं। डिहाइड्रेशन जैसी कंडीशन है। फीवर, बीपी और शुगर-साल्ट की मॉनिटरिंग की जा रही है।

विजय अभियान जारी रखने उतरेगा भारत

» भारतीय टीम का न्यूजीलैंड से दूसरा टी20 मैच आज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रायपुर। पहले मैच में बड़ी जीत से उत्साह से भरी भारतीय टीम न्यूजीलैंड के खिलाफ शुक्रवार को होने वाले दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में अपनी जीत की लय बरकरार रखने के लिए मैदान पर उतरेगी जिसमें शीर्ष क्रम में संजू सैमसन और ईशान किशन की भूमिका पर निगाह टिकी रहेगी। वनडे सीरीज में हारने के बाद भारत ने नागपुर में खेले गए पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में 48 रन से शानदार जीत हासिल की थी लेकिन उस मैच में सैमसन और किशन बल्ले से कोई कमाल नहीं दिखा पाए थे।

पहले टी20 में मिली शानदार जीत से व्यक्तिगत तौर पर सुधार के कई क्षेत्र सामने आए, इसके बावजूद टीम के प्रदर्शन ने विश्व कप से पहले अपने प्रतिद्वंद्वियों को खतरनाक संकेत दिए हैं, जहां भारत मौजूदा चैंपियन के रूप में उतर रहा है। अगर भारत को टी20 विश्व कप खिताब का बचाव करने वाली पहली टीम बनना है तो अभिषेक शर्मा को शीर्ष क्रम में आक्रामक बल्लेबाजी जारी रखनी होगी। कुलदीप यादव की अनुपस्थिति में भी गेंदबाजी विभाग काफी संतुलित नजर आता है। न्यूजीलैंड जानता है कि गेंदबाजी के मोर्चे पर उनका प्रदर्शन उम्मीद के मुताबिक नहीं था लेकिन उसकी टीम जल्द ही संभल जाती है और इसलिए वह वापसी करने के लिए बेताब होगी। डेवोन कॉनवे के हाल में आउट होने के तरीके को लेकर वे थोड़ा चिंतित होंगे, जिसमें वे बाहर जाती हुई गेंदों पर स्लिप कॉर्डन में कैच आउट हो जाते हैं।

सरकार की जिद पर बांग्लादेश क्रिकेट की कुर्बानी

नई दिल्ली। बांग्लादेश क्रिकेट अपने इतिहास के सबसे बड़े संकट के मुहाने पर खड़ा है। सरकार के सलाहकार आसिफ नजरुल के सख्त रुख और राष्ट्रीय प्रतिष्ठा से जुड़े फैसले के चलते बांग्लादेश का टी20 विश्व कप 2026 से हटना लगभग तय माना जा रहा है। इस अभूतपूर्व हालात का असर सिर्फ मैदान तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि इससे बीसीबी को करोड़ों का आर्थिक झटका लग सकता है, जबकि खिलाड़ी अपने करियर के सबसे अहम मौके से वंचित होने की कगार पर हैं। दरअसल, बांग्लादेश अपनी हठ पर कायम है और आईसीसी के अल्टीमेटम के बावजूद उसने एक बार फिर दोहराया है कि वह भारत में टी20 विश्व कप के मैच नहीं खेलेगा। ढाका में बीसीबी और खिलाड़ियों की अंतरिम सरकार के खेल सलाहकार आसिफ नजरुल के साथ बैठक हुई। बैठक के बाद बीसीबी अध्यक्ष अमिनुल ने कहा, हम लगातार आईसीसी से संपर्क जारी रखेंगे। बांग्लादेश विश्व कप में खेलना चाहता है, लेकिन वे अपने मैच भारत में नहीं खेलेगा। हम लगातार लड़ाई जारी रखेंगे।

आजम खां ने पत्नी और बेटे समेत जौहर ट्रस्ट से दिया इस्तीफा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रामपुर। समाजवादी पार्टी के कद्दावर नेता और पूर्व कैबिनेट मंत्री मोहम्मद आजम खान ने अपने सपनों के प्रोजेक्ट मौलाना मोहम्मद अली जौहर ट्रस्ट को लेकर एक चौंकाने वाला फैसला लिया है। कानूनी मुश्किलों और जेल यात्राओं के बीच, आजम खान ने स्वयं, अपनी पत्नी डॉ. तंजीन फातिमा और छोटे बेटे अब्दुल्ला आजम के साथ ट्रस्ट के सभी पदों से आधिकारिक तौर पर इस्तीफा दे दिया है।

बहन और बड़े बेटे को सौंपी जिम्मेदारी

ट्रस्ट के सुचारू संचालन के लिए अब एक नई कार्यकारिणी का गठन किया गया है, जिसमें आजम खान की बहन को सर्वोच्च पद दिया गया है। आजम खान की बहन निकहत अफलाक को ट्रस्ट का नया अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। आजम खान के बड़े बेटे मोहम्मद अदीब आजम, जो अब तक केवल सदस्य थे, उन्हें अब ट्रस्ट का नया सचिव बनाया गया है।

जौहर ट्रस्ट पर किसानों की जमीन कब्जाने समेत 30 से अधिक गंभीर मुकदमे चल रहे हैं। बताया जा रहा है कि आजम खान, डॉ. तजीन फातिमा और अब्दुल्ला आजम के जेल में होने के कारण ट्रस्ट और उससे जुड़े शैक्षणिक संस्थानों (जौहर यूनिवर्सिटी, रामपुर पब्लिक स्कूल) के कामकाज में काफी दिक्कतें आ रही थीं। प्रशासन द्वारा ट्रस्ट की संपत्तियों और लीज को लेकर की जा रही कार्रवाई के बीच आजम खान ने खुद को ट्रस्ट से अलग कर इसे एक नई दिशा देने की कोशिश की है।

सपा विधायक नसीर अहमद खान को बनाया संयुक्त सचिव

मुश्ताक अहमद सिद्दीकी को उपाध्यक्ष, सपा विधायक नसीर अहमद खान को संयुक्त सचिव और जावेद उर रहमान खान को कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई है. आजम खान का यह कदम उनके और उनके परिवार पर कसते कानूनी शिकंजे का परिणाम माना जा रहा है।

नेताजी की जयंती पर सियासत गरमाई

टीएमसी व भाजपा ने दी श्रद्धांजलि, ममता बनर्जी ने केंद्र से की मांग, सुभाषचंद्र बोस से जुड़े सभी दस्तावेज को सार्वजनिक किया जाए

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आज नेताजी सुभाषचंद्र बोस की जयंती है। इस वर्ष बंगाल में चुनाव हैं। तो सियासत होना लाजमी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महान स्वतंत्रता सेनानी को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने भी नेताजी को श्रद्धांजलि दी, साथ ही केंद्र सरकार से एक बड़ी मांग भी कर दी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को नेताजी सुभाष चंद्र बोस को उनकी जयंती पर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की और कहा कि वे निडर नेतृत्व और अटूट देशभक्ति की मिसाल थे।

बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने भी इस मौके पर नेताजी सुभाषचंद्र बोस को श्रद्धांजलि दी। इस दौरान सीएम ममता बनर्जी ने केंद्र सरकार से अपील की कि नेताजी से जुड़े सभी दस्तावेजों को सार्वजनिक किया जाना चाहिए। प्रधानमंत्री ने लिखा, तीन प्रमुख द्वीपों का नाम भी बदला गया, जिसमें रॉस द्वीप भी शामिल है, जो नेताजी सुभाष चंद्र बोस द्वीप बन गया। पीएम मोदी ने कहा, 2021 में, मैंने कोलकाता में नेताजी भवन का दौरा किया, जहां से नेताजी ने अपनी महान यात्रा शुरू की थी। प्रधानमंत्री ने कहा कि औपनिवेशिक मानसिकता को खत्म करने और नेताजी

सुभाष चंद्र बोस के प्रति सम्मान दिखाने के लिए उनकी सरकार के प्रयासों का एक शानदार उदाहरण राष्ट्रीय राजधानी के दिल में, इंडिया गेट के पास उनकी भव्य प्रतिमा लगाने का फैसला है। यह भव्य प्रतिमा आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करेगी।

निडर नेतृत्व और अटूट देशभक्ति की मिसाल थे नेता जी : मोदी

एक्स पर साझा कई पोस्ट में पीएम मोदी ने लिखा , नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर, जिसे पराक्र म दिवस के रूप में मनाया जाता है, हम उनके अदम्य साहस, संकल्प और राष्ट्र के प्रति अद्वितीय योगदान को याद करते हैं। वे निडर नेतृत्व और अटूट देशभक्ति की मिसाल थे। उनके आदर्श एक मजबूत भारत बनाने के लिए पीढ़ियों को प्रेरित करते रहेंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि बोस ने उन्हें हमेशा बहुत प्रेरित किया है, और नेताजी को सम्मानित करने के लिए उन्होंने 23 जनवरी, 2009 को गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में ई-ग्राम विश्वग्राम योजना शुरू की थी।

दशकों बाद भी नेताजी के गायब होने का रहस्य अनसुलझा है : ममता

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भी सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि दी और साथ ही केंद्र सरकार से नेताजी से जुड़े सभी दस्तावेजों को सार्वजनिक करने की अपील की। एक्स पर साझा एक पोस्ट में, बनर्जी ने इस बात पर भी दुख जताया कि दशकों बाद भी नेताजी सुभाष चंद्र बोस के गायब होने का रहस्य अनसुलझा है।ममता बनर्जी ने एक्स पर लिखा, देशनायक नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर, मैं उन्हें दिल से सम्मान और सलाम करती हूं। यह हमारा सामूहिक दुर्भाग्य है कि नेताजी के गायब होने का रहस्य आज भी सुलझ नहीं पाया है। हमें नहीं पता कि 1945 के बाद उनके साथ क्या हुआ। यह सबके लिए बहुत दुख की बात है।

बंगाल सरकार ने बोस से जुड़ी सभी राज्य फाइलों को बहुत पहले ही सार्वजनिक किया

बनर्जी ने कहा कि पश्चिम बंगाल सरकार ने बोस से जुड़ी सभी राज्य फाइलों को बहुत पहले ही सार्वजनिक कर दिया था। उन्होंने कहा, मैं एक बार फिर भारत सरकार से नेताजी से जुड़ी सभी जानकारी को सार्वजनिक करने की अपील करती हूं।

इतिहास को तोड़-मरोड़कर पेश करने में सबसे माहिर प्रधानमंत्री : जयराम रमेश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर शुक्रवार को तीखा हमला बोला। कांग्रेस ने कहा कि प्रधानमंत्री इतिहास को तोड़-मरोड़कर पेश करने में सबसे माहिर हैं। कांग्रेस ने ये भी कहा कि राष्ट्रगान के इतिहास से भी छेड़छाड़ की कोशिश की गई और बीते महीने संसद में वंदे मातरम पर चर्चा के दौरान रवींद्रनाथ टैगोर का भी अपमान करने का प्रयास किया गया। जयराम रमेश ने पीएम मोदी पर तीखा हमला बोला।

कांग्रेस संचार प्रभारी और महासचिव जयराम रमेश ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में आरोप लगाया कि पीएम मोदी व्यवस्थागत तरीके से महात्मा गांधी की यादों और विरासत को मिटाने की कोशिश कर रहे हैं। जयराम रमेश ने पोस्ट में लिखा, बीते महीने संसद में राष्ट्रगीत पर चर्चा के दौरान पीएम मोदी और उनके सहयोगी बेनकाब हो गए। राष्ट्रगान के इतिहास से भी छेड़छाड़ की कोशिश की गई और इस दौरान गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर का भी अपमान का प्रयास किया गया। आज 23 जनवरी 2026 के दिन देश नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 129वीं जयंती मना रहा है, जिन्होंने 1937 में वंदे मातरम की पंक्तियों को लेकर हुए विवाद को सुलझाने में मुख्य भूमिका निभाई, जिसका पीएम मोदी ने जानबूझकर जिक्र नहीं किया।

दिल्ली-एनसीआर में हो रही बारिश गिरा पारा, यूपी में चल रही तेज हवाएं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में मौसम का मिजाज अचानक बदल गया है। शुक्र वार की सुबह राजधानी और नोएडा समेत आसपास के इलाकों में बारिश हुई। वहीं, गरज के साथ तेज हवाएं चल रही हैं। मौसम विभाग ने पहले से ही गरज के साथ बौछारें पड़ने की भी चेतावनी जारी की थी। इन मौसमी बदलावों के कारण तापमान में गिरावट दर्ज की जा सकती है। यह मौसमी बदलाव अगले कुछ दिनों तक जारी रह सकता है।

जनवरी का महीना आमतौर पर कड़ाके की ठंड के लिए जाना जाता है, लेकिन इस बार दिन का तापमान काफी ऊपर चढ़ रह था। लेकिन शुक्रवार को मौसम ने करवट ली है। आज एक मजबूत और सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ उत्तर भारत पर असर डाल रहा है। ऐसे में दिल्ली में भी हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना जताई गई थी, जिसका असर भी सुबह से ही दिखने को मिल राह है। बारिश के साथ गरज-चमक और 40-50 किमी प्रतिघंटा की रफ्तार से

तेज हवा भी चलने के आसार जताए गए थे। बारिश के बाद दिन का तापमान गिरकर 19-21 डिग्री तक पहुंच सकता है। न्यूनतम तापमान भी 6-8 डिग्री के आसपास आ जाएगा। इसके बाद ठंड एक बार फिर लौटेगी और सुबह-रात में ठिठुरन बढ़ेगी। आंकड़े बताते हैं कि पिछले दो दिनों में तापमान सामान्य से करीब 7 डिग्री सेल्सियस ज्यादा दर्ज किया गया है। हालात ऐसे हैं कि सुबह और रात का तापमान जहां 8-9 डिग्री सेल्सियस के आसपास बना हुआ है, वहीं दिन का पारा चढ़कर 25 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है। लेकिन अगर आप इसे ठंड की विदाई समझ रहे हैं, तो ठहरिए... मौसम विभाग के संकेत कुछ और ही कहानी बयां कर रहे हैं।

बीवीजीरामजी के खिलाफ स्टालिन ने खोला मोर्चा

मनरेगा का नाम बदलने के खिलाफ विधानसभा में प्रस्ताव पारित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। तमिलनाडु विधानसभा ने शुक्र वार को मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन द्वारा पेश किए गए एक प्रस्ताव को पारित कर केंद्र सरकार द्वारा महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (एमजीएनआरईजीए) का नाम बदलने के प्रस्ताव का विरोध किया। प्रस्ताव में केंद्र सरकार से आग्रह किया गया कि वह ग्रामीण रोजगार योजना के लिए महात्मा गांधी का नाम बरकरार रखे और वास्तविक रोजगार मांग और राज्यवार प्रदर्शन के अनुरूप पर्याप्त और निरंतर निधि आवंटन सुनिश्चित करे।

इसमें ग्रामीण नागरिकों के काम के अधिकार की रक्षा पर बल दिया गया और कार्यक्रम के महत्व को महिलाओं, दिव्यांगजनों, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लिए उजागर किया गया, जिन्हें प्राथमिक लाभार्थी बताया गया। इसमें केंद्र सरकार की मौजूदा मनमानी से, काल्पनिक अनुमानों के आधार पर निधि आवंटन की प्रथा की आलोचना की गई और उस पूर्व प्रणाली

पर लौटने की मांग की गई जिसमें काम की वास्तविक मांग के आधार पर निधि जारी की जाती थी। प्रस्ताव में राज्य सरकार के योगदान को 40 प्रतिशत तक बढ़ाने के प्रस्तावित कदम पर भी आपत्ति जताई गई, जिसे विकसित भारत-रोजगार और आजीविका मिशन (ग्रामीण) अधिनियम, 2025 के तहत नामित किया गया है। इसमें चेतावनी दी गई है कि ऐसा कदम राज्य के वित्त पर भारी दबाव डालेगा और ग्रामीण आजीविका को नुकसान पहुंचाएगा।

इस सप्ताह विधानसभा में राजनीतिक माहौल काफी तनावपूर्ण रहा, जिसके चलते प्रस्ताव पारित हुआ। सदन में इस वर्ष के पहले सत्र के दौरान पहले ही काफी हंगामा हो चुका था, जब राज्यपाल आर.एन. रवि ने डीएमके सरकार द्वारा तैयार किए गए पाठ को गलतियों का हवाला देते हुए पढ़ने से इनकार कर दिया और सदन से बाहर चले गए। स्टालिन ने राज्यपाल पर संवैधानिक प्रावधानों और विधायी परंपराओं की अवहेलना करने का आरोप लगाया और कहा कि यदि ऐसी घटनाएं जारी रहीं तो डीएमके संसद में संवैधानिक संशोधन लाने के लिए समान विचारधारा वाली पार्टियों से परामर्श करेगी।

स्वामी 4 पीएम न्यूज़ नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय :- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।